मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए

सचिवालय में प्रतिमा के सामने बैठकर उन्होंने गांधी जी के प्रिय भजन सुने

जयपुर, 30 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि (शहीद दिवस) पर शुक्रवार प्रात: शासन सचिवालय पहुंचे। शर्मा ने सचिवालय स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उपस्थित जनसमूह के साथ गांधीजी की प्रतिमा के समक्ष बैठकर 'वैष्णव जन तो तेने कहिये, रघुपति राघव राजा राम, राम रतन धन पायो, श्री राम जय राम' जैसे गांधी जी के प्रिय भजनों का श्रवण किया। इस दौरान, पशुपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव, सचिवालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं अधिकारी-कर्मचारियों ने भी मौन रखकर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने शहीद दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास पर महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

- मुख्यमंत्री भजनलाल के साथ पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचिव व अतिरिक्त मुख्य सचिवों सहित बड़ी संख्या में आईएएस अधिकारियों, सचिवालय के अधिकारियों-कर्मचारियों ने गांधी जी की मूर्ति के सामने दो मिनट का मौन रखा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर शासन सचिवालय में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

प्र.मंत्री मोदी ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 30 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेताओं ने शुक्रवार को महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर राजघाट जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनके अलावा अन्य नेताओं ने भी बापू को नमन किया।

प्रधानमंत्री के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी मौजूद थे। सभी ने गांधी जी की समाधि पर पुष्प अर्पित किए और उनके विचारों को याद किया। इससे पहले मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता के आदर्श भारत के विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने के संकल्प के केंद्र में हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर अपनी पोस्ट में गांधीजी के प्रिय भजन "वैष्णव जन तो तेने कहिये" का स्मरण किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महात्मा गांधी के शहीद स्थल गए व उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होनें एक्स पर लिखा,"महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं - वह सोच, जिसे कभी एक साम्राज्य ने, कभी एक नफ़रत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की।

- राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शहीद दिवस पर महात्मा गांधी को नमन किया।

गैर भाजपा दलों को आशंका, आरटीआई को खत्म करने की तैयारी में है सरकार

गुरुवार को संसद में प्रस्तुत इकोनॉमिक सर्वे रिपोर्ट में आरटीआई में बदलाव करने का सुझाव दिया गया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। मनरेगा के बाद, क्या केन्द्र सरकार अब आरटीआई को खत्म करने की मंशा रखती है?

आर्थिक सर्वेक्षण, जो गुरुवार को संसद में पेश किया गया, में आरटीआई अधिनियम की पुन: समीक्षा की बात कहे जाने के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उपरोक्त सवाल उठाया। सर्वेक्षण में, सूचना को रोके रखने के लिए संभावित रूप से मंत्रिस्तरीय वीटो का सुझाव दिया गया है और यह भी कहा गया है कि नौकरशाहों के सार्वजनिक सेवा अभिलेख, तबादले और स्टाफ रिपोर्ट को सार्वजनिक संवीक्षा (स्क्रूटिनी) से बचाया जा सकता है।

आर्थिक सर्वेक्षण में दो दशक पुराने आरटीआई अधिनियम में बदलाव का सुझाव देते हुए, गोपनीय रिपोर्टों और मसौदा टिप्पणियों को खुलासे से बाहर रखने की बात कही गई और कहा गया कि ऐसे प्रावधान शासन को बाधित करते हैं। इसमें कहा गया कि आरटीआई अधिनियम का "उद्देश्य कभी भी निरर्थक जिज्ञासा का साधन या बाहर से सरकार को माइक्रो मैनेज करने की व्यवस्था के रूप में नहीं था।" आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, "आरटीआई अधिनियम की पुन: समीक्षा आवश्यक है, लेकिन इसके मूल भाव को कमजोर करने के लिए नहीं, बल्कि इसे विश्व की सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बनाने, उभरते सबकों को शामिल करने और इसके मूल उद्देश्य से मजबूती से जोड़े रखने के लिए।"

आलोचकों का कहना है कि एनडीए सरकार विधिवत रूप से आरटीआई अधिनियम को कमज़ोर करने की दिशा में काम कर रही है। वर्ष 2019 में केन्द्र सरकार ने सूचना आयुक्तों का कार्यकाल और वेतन का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। 2023 में सरकार डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम लेकर आई, जिससे आरटीआई के सार्वजनिक हित सम्बन्धी प्रावधान को कमजोर किया गया। आलोचकों का कहना है कि यह "भ्रष्टाचार की ढाल बनने और जांच को रोकने के लिए निजता को हथियार बनाने" जैसा है। आरटीआई के क्रियान्वयन को लेकर एनडीए सरकार का रिकॉर्ड भी संतोषजनक नहीं रहा है। 2025 तक लंबित मामलों की संख्या 26,000 तक पहुँच गई थी। दिसंबर 2025 तक, केन्द्रीय सूचना आयोग, बिना मुख्य सूचना आयुक्त के काम करता रहा। पिछले 11 वर्षों में यह सातवाँ अवसर था, जब यह अहम पद खाली रखा गया।

आर्थिक सर्वेक्षण ने तर्क दिया कि ब्रिटेन, अमेरिका और स्वीडन सहित, कई देशों में आंतरिक मीमो और प्रारंभिक नीतिगत चर्चाओं के लिए विशेष छूट है, जिससे निहित संकेत मिलता है कि भारत का आरटीआई दायरा अपेक्षाकृत व्यापक है। पारदर्शिता के पक्षधर इससे असहमत हैं। उनका कहना है कि ऐसा कोई प्रमाण नहीं है, जिससे यह सिद्ध हो कि आरटीआई शासन को नुकसान पहुँचाता है। ऐक्टिविस्ट अंजलि भारद्वाज ने कहा कि बहुत से आरटीआई आवेदन ऐसे मामलों की सूचना मांगते हैं, जिनकी जानकारी स्वाभाविक रूप से सार्वजनिक की जानी चाहिए।

- आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट कहती है कि इसमें गोपनीय रिपोर्ट्स और ड्राफ्ट टिप्पणियों को उजागर नहीं करने का प्रावधान होना चाहिए, इससे सुशासन बाधित होता है। आरटीआई कानून जिज्ञासा शांत करने या सरकार को बाहर से मैनेज करने का टूल नहीं है।
- आलोचकों ने कहा कि सरकार 2023 में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटैक्शन एक्ट लायी थी ताकि आरटीआई कानून को कमज़ोर किया जा सके। उनका आरोप है कि सरकार आरटीआई एप्लीकेशन्स पर ध्यान नहीं देती है, अभी तक 26,000 प्रार्थना-पत्र लंबित हैं।

पोकरण में आईएसआई एजेंट झबराराम गिरफ्तार

वह सेना से जुड़ी सामरिक महत्व की सूचनाएं सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान भेजता था

जयपुर 30 जनवरी। राजस्थान पुलिस की इंटेलिजेंस विंग ने सरहदी जिले जैसलमेर के पोकरण क्षेत्र में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के लिए जासूसी करने के आरोप में पुलिस ने एक स्थानीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी भारतीय सेना से जुड़ी सामरिक महत्व की गोपनीय सूचनाएं सीमा पार भेजने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त पाया गया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस इंटेलिजेंस प्रफुल्ल कुमार ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि राज्य में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। इसी दौरान इंटेलिजेंस को सूचना मिली कि पोकरण के थाना सांकड़ा अंतर्गत नेडान गांव निवासी झबराराम पुत्र भाना राम (28 वर्ष) की गतिविधियां संदिग्ध हैं। तकनीकी जांच में सामने आया कि आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार पाक हैंडलर्स के संपर्क में बना हुआ था।

पूछताछ और मोबाइल के तकनीकी परीक्षण में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपी झबराराम को पाक एजेंसियों ने हनीट्रैप और धनराशि का लालच दिया था। इस लालच में आकर वह भारतीय सेना से संबंधित संवेदनशील सूचनाएं साझा कर रहा था। इतना ही नहीं, उसने अपने नाम से जारी सिम कार्ड का ओटीपी पाक हैंडलर्स को देकर व्हाट्सएप एक्टिवेट करवाया, जिसका उपयोग देश- विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा रहा था।

एडीजी कुमार ने बताया कि संदेह पुख्ता होने पर झबराराम को केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र, जयपुर लाया गया। यहाँ राजस्थान पुलिस, मिलिट्री इंटेलिजेंस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने उससे संयुक्त रूप से कड़ी पूछताछ की। अपराध प्रमाणित पाए जाने पर राजस्थान इंटेलिजेंस ने शासकीय गुप्त बात अधिनियम 1923 के तहत मामला दर्ज कर शुक्रवार 30 जनवरी को उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया।

- झबराराम को केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र जयपुर लाया गया, जहाँ राजस्थान पुलिस, मिलटरी इन्टेलिजेंस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों की कड़ी पूछताछ में कई खुलासे हुए।

गणतंत्र दिवस परेड में नौसेना व दिल्ली पुलिस को पुरस्कार

नयी दिल्ली, 30 जनवरी। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने गणतंत्र दिवस परेड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मार्चिंग दस्तों और झांकी आदि को शुक्रवार को पुरस्कृत किया जिसमें तीनों सेनाओं में नौसेना और केन्द्रीय पुलिस बलों में दिल्ली पुलिस को सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दस्ते तथा महाराष्ट्र की गणेशोत्सव: आत्मनिर्भरता का प्रतीक झांकी को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों में जम्मू और कश्मीर की जम्मू और कश्मीर के हस्तशिल्प एवं लोकनृत्य तथा केरल की वॉटर मेट्रो एवं 100 प्रतिशत डिजिटल साक्षरता: आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर केरल को क्रमश द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिया गया।

- महाराष्ट्र की गणेशोत्सव आत्मनिर्भरता का प्रतीक झांकी को सर्वश्रेष्ठ माना गया।

नाटो में शामिल हुए बिना ही भारत को नाटो के प्रमुख सहयोगी का दर्जा मिलेगा

27 देशों की यूरोपियन यूनियन के साथ रक्षा साझेदारी से भारत को बड़ा लाभ मिलेगा

नयी दिल्ली 30 जनवरी। सत्ताईस देशों के समूह यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते से जहां भारत वैश्विक वित्तीय संरचना में रणनीतिक तौर पर "तीसरे ध्रुव" के रूप में उभर रहा है, वहीं सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी से उसे उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का सदस्य बने बिना ही संगठन के महत्वपूर्ण सहयोगी का दर्जा मिल रहा है।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में "तीसरा ध्रुव" शब्द का प्रयोग एक उभरती वैश्विक शक्ति, विशेष रूप से भारत ,के लिए किया जाता है, जो बहुध्रुवीय विश्व में संतुलन की भूमिका में है यानी भारत, अमेरिका-चीन (जी-2) द्विध्रुवीय ढांचे पर पूरी तरह निर्भर होने के बजाय, स्वतंत्र रूप से तीसरे ध्रुव के रूप में उभर रहा है।

दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौते के संपन्न होने की घोषणा करने के साथ-साथ सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर किए। यह भारत और यूरोपीय संघ के बीच अपनी तरह का पहला व्यापक ढांचा है।

यूरोपीय आयोग ने एक वक्तव्य जारी कर कहा है कि इस साझेदारी के अंतर्गत भारत और यूरोपीय संघ रक्षा औद्योगिक सहयोग को सुदृढ़ करेंगे और रक्षा पहलों पर समन्वय को आगे बढ़ाएँगे। सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी, समुद्री सुरक्षा, अप्रसार और निरस्त्रीकरण, अंतरिक्ष, साइबर एवं हाइब्रिड खतरों से निपटने तथा आतंकवाद-रोधी प्रयासों जैसे साझा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग और संयुक्त पहलों को सक्षम बनाती है।

दोनों पक्षों ने गोपनीय सूचना के आदान-प्रदान को सक्षम बनाने के लिए "सूचना सुरक्षा समझौते" से संबंधित वार्ता भी शुरू की है, जो यूरोपीय संघ और उसके सदस्य देशों के सुरक्षा हितों के अनुरूप होगा।

- विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका -चीन पर निर्भर रहने की बजाय भारत स्वतंत्र रुप से तीसरे ध्रुव के रुप में उभर रहा है।

शरद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनीतिक कारणों से यह संभव नहीं हो पाता है, तो प्रफुल्ल पटेल नेतृत्व की दौड़ में अगले दावेदार हो सकते है।

शरद पवार ने 1999 में, कांग्रेस से अलग होकर, एनसीपी की स्थापना की थी। उनके भतीजे अजित पवार ने जुलाई 2023 में पार्टी से बगावत की और उनका गुट सत्तारूढ़ महायुति में शामिल होकर सरकार का हिस्सा बन गया। शरद पवार के कई करीबी सहयोगी, जैसे प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल और दिलीप वालसे-पाटिल भी अजित पवार के खेमे में चले गए थे।

दिल्ली में आज व कल बारिश की संभावना

नयी दिल्ली, 30 जनवरी। राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार को ठंडा मौसम रहा तथा सुबह आसमान में बादल छाए रहे एवं हल्की से मध्यम धुंध छाई रही।

मौसम विभाग ने बताया कि आज का अधिकतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है और सुबह का न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। गुरुग्राम में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में 31 जनवरी से दो फरवरी के बीच बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। शनिवार को कई जगहों पर मध्यम कोहरे और कुछ जगहों पर घना कोहरा हो सकता है। दोपहर और शाम तक आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है। रात के समय बहुत हल्की बारिश की संभावना है और 30 से 40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

- मौसम विभाग ने मध्यम से घना कोहरा होने की भी संभावना जताई है।

'शंकराचार्य...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि उनकी योजना पूर्णिमा के दिन वाराणसी में ही स्नान करने की है। मौनी अमावस्या के दिन भीड़ अधिक होने की बात कहकर उनकी पालकी को संगम जाने से रोका गया। अधिकारियों ने उनसे नीचे उतरकर पैदल नदी तक जाने को कहा, तो पुलिस और उनके शिष्यों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद, वे धरने पर बैठ गये और अपने अपमान को लेकर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पद पर बने रहने के खिलाफ बयान दिया। उन्होंने यह भी आ ान किया था कि मार्च के मध्य में चारों शंकराचार्य दिल्ली में एकत्र हों, ताकि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकारों को सबक सिखाया जा सके।

अजित पवार विमान दुर्घटना की जांच सीआईडी करेगी

मुंबई, 30 जनवरी । महाराष्ट्र के बारामती जिले में 28 जनवरी को एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की दुखद मृत्यु की जाँच राज्य के अपराध जाँच विभाग (सीआईडी) को सौंप दी गई है।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, शुरुआत में इस मामले की जाँच पुणे ग्रामीण पुलिस कर रही थी। पुणे ग्रामीण पुलिस ने इस दुर्घटना के संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया था। सरकार ने पुणे ग्रामीण पुलिस को अब तक जुटाए गए मामले के विवरण और सुबूत राज्य सीआईडी को सौंपने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि राज्य सीआईडी ने अपनी जाँच शुरू कर दी है और वह बारामती एयरफील्ड में सुरक्षा चूक और बुनियादी ढांचे से जुड़ी समस्याओं की जांच करेगी।

उमर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दक्षिणपंथी संगठनों ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि माता वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं के धन से चलने वाले इस कॉलेज में हिंदू छात्रों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। अब्दुल्ला ने साँबा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, "संघर्ष समिति मेडिकल कॉलेज बंद होने का जश्न मना रही है। दूसरे देशों में लोग मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए संघर्ष करते हैं, लेकिन यहां लोग उसे बंद कराने के लिए लड़ रहे हैं। अगर आप बच्चों का भविष्य बर्बाद होने पर खुश हैं, तो पटाखे चलाकर जश्न मनाइए।"

इकोनॉमिक ग्रोथ के आंकड़े ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर वार्ताओं के सफल समापन का स्वागत किया और इसे दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा कि शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं में कमी से दोनों पक्षों के व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए अवसर बढ़ेंगे।

बंगा ने कहा, सभी व्यापार समझौते महत्वपूर्ण होते हैं, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पिछले दो दशकों में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार चार गुना बढ़ा है, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाओं की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर करीब 40 प्रतिशत हो गई है। "भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएँ अब अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का अहम हिस्सा हैं।"

हालांकि, बंगा ने आगाह किया कि एफटीए को सावधानीपूर्वक और चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाना चाहिए, ताकि भारत या यूरोप के घरेलू उद्योगों को नुकसान न पहुँचे। उन्होंने कहा कि सुधारों का सही क्रम आर्थिक संतुलन बनाए रखते हुए बाजार खोलने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में बढ़ती अनिश्चितता और अमेरिका की ओर से जारी शुल्क दबावों की पृष्ठभूमि में बंगा ने भारत से "शुल्कों पर कम और अवसरों पर ज्यादा ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने तर्क दिया कि भारत की आर्थिक संरचना निर्यात पर निर्भर अन्य अर्थव्यवस्थाओं से अलग है, जहाँ घरेलू उपभोग और पूंजी निर्माण विकास के प्रमुख चालक हैं।

बंगा ने कहा, "भारत-ईयू समझौते में बातचीत शुल्क पर नहीं, बल्कि अवसरों पर है, उन्होंने यह भी कहा कि कई अन्य देशों की तुलना में भारत की अर्थव्यवस्था में निर्यात की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम है।

बंगा ने पाँच ऐसे क्षेत्रों की पहचान की जहाँ आने वाले वर्षों में भारत बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन कर सकता है, बुनियादी ढाँचा, कृषि, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ, पर्यटन और मूल्य-वर्धित विनिर्माण। सही नीतिगत ढाँचे के साथ ये क्षेत्र बड़ी संख्या में कुशल और अर्ध-कुशल श्रमिकों को रोजगार दे सकते हैं।

आर्थिक सर्वेक्षण में अनुमानित 6.8-7.2 प्रतिशत की विकास दर पर टिप्पणी करते हुए बंगा ने कहा कि भारत पहले ही यह साबित कर चुका है कि वह विश्व के चुनौतीपूर्ण माहौल में भी असाधारण विकास बनाए रख सकता है। लेकिन उन्होंने जोर दिया कि इस गति को कायम रखने के लिए भौतिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और मानव पूंजी, दोनों में निरंतर निवेश जरूरी होगा।

स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए, उन्होंने कहा, भारत को व्यापार, अनुकूल नीतियाँ, प्रभावी विनियमन और निजी क्षेत्र को वित्त उपलब्ध कराने पर मजबूत फोकस की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, "विकास कौशल, पूंजी और अवसर के संयोजन से आता है।"

- अतः भारत को घटते-बढ़ते टैरिफ की चिंता छोड़कर इस बात पर फोकस करना चाहिए कि देश के सम्मुख व्यापार के कितने सुअवसर उपस्थित हुए हैं। भारत और यूरोपियन यूनियन का व्यापारिक समझौता भी अच्छा अवसर है। पर, इसका लाभ तभी मिलेगा, जब भारत का युवा अपने हुनर (स्किल) से, बढ़ते व्यापार का हिस्सा बने।

भारतीय वैज्ञानिकों ने सुपरकैपेसिटर बनाया

नयी दिल्ली, 30 जनवरी। देश के वैज्ञानिकों ने फोटो कैपसिटर नाम से एक ऐसा ऐसा सुपर कैपसिटर विकसित किया है जो सूरज की रोशनी से स्वत: ऊर्जा लेकर उसे संग्रहित भी कर सकता है। माना जा रहा है कि यह स्वच्छ और आत्मनिर्भर ऊर्जा भंडारण प्रणालियों की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम हो सकता है, जो पोर्टेबल और ऑफ ग्रिड प्रौद्योगिकी के लिए उपयोगी है। प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अधीन एक स्वायत्त संस्थान, सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज (सीईएनएस), बेंगलुरु द्वारा विकसित इस नए फोटो-रिचार्जेबल सुपरकैपसिटर ने सूर्य के प्रकाश को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करने और उस ऊर्जा को बाद में उपयोग के लिए संग्रहित करने की दोनों प्रक्रियाओं को सहजता से संयोजित किया है।

- सौर ऊर्जा में बेहद जरुरी यह उपकरण सूरज की रौशनी से ऊर्जा लेकर उसे संग्रहित कर सकता है।

दिल्ली पुलिस ने नकली ब्रॉडेड जूते बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

इसमें नाइकी, एडिडास सहित अधिकांश अन्तर्राष्ट्रीय ब्रांड के नकली जूते बनाए जाते हैं

नयी दिल्ली, 30 जनवरी। दिल्ली पुलिस की आपराध शाखा ने नाइकी, एडिडास, न्यू बैलेंस और स्केचर्स जैसे शीर्ष अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के नकली जूते बनाने वाली एक बड़ी फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है।

पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि सोनिया विहार के चौहान पट्टी स्थित अंबे एन्क्लेव निवासी संदीप सिंह (44) को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

यह कार्रवाई अपराध शाखा की सूत्रधार, जालसाजी और अपहरण विरोधी सेल (एईकेसी) की टीम द्वारा की गई। टीम को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में ब्रांडेड कंपनी के नकली जूते बनाने के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि के बाद निगरानी की गयी और फिर विशेष टीम ने वहां छापेमारी की।

बुधवार को की गई इस छापेमारी के दौरान पुलिस को छह भारी हीटिंग प्रेस मशीनें, नौ प्रिंटिंग स्क्रीन, ब्रांड लोगो प्रिंट करने वाली 131 डाई, छह पीवीसी रोल के साथ-साथ जूतों के 9,616 ऊपरी हिस्से और ब्रांडेड कंपनियों के 1,667 स्टिकर मिले, जिन्हें तत्काल जब्त कर लिया गया।

पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) संजय यादव ने कहा, "यह पुष्टि हुई है कि यह फैक्टरी बिना किसी अनुमति के चल रही थी और जब्त किया गया सामान बड़े पैमाने पर नकली जूते आपूर्ति करने के लिए तैयार किया गया था।"

उत्तर प्रदेश के बस्ती के रहने वाले आरोपी संदीप सिंह वर्ष 2000 में दिल्ली आए थे और शुरुआत में चावड़ी बाजार की एक प्रिंटिंग प्रेस में काम करते थे। अधिकारी ने कहा, "बीते सालों में वह प्रिंटिंग के काम से निकलकर नकली जूते बनाने की पूरी फैक्टरी चलाने लगा।"

अधिकारी ने अपने बयान में आगे कहा कि आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और कॉपीराइट उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। इस गिरोह में शामिल अन्य साथियों और सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए टीम आगे की जांच कर रही है।

- यह कम्पनी उत्तर प्रदेश में बस्ती के रहने वाले संदीप सिंह की है, जो सन् 2000 में दिल्ली आया था और तब एक प्रिंटिंग प्रैस में काम करता था।

राष्ट्रपति मुर्मू 19 मार्च को अयोध्या आयेंगी

अयोध्या, 30 जनवरी । श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शुक्रवार को बताया कि 19 मार्च को हिंदू नव वर्ष के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अयोध्या आगमन को लेकर अनौपचारिक सहमति मिल गई है। इस अवसर पर राम मंदिर परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें मंदिर निर्माण से जुड़े लगभग 400 श्रमिकों को राष्ट्रपति सम्मानित करेंगी।

मिश्र ने बताया कि केंद्रीय संस्कृति विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 400 वर्ष पुरानी वाल्मीकि रामायण राम मंदिर ट्रस्ट को सौंपी गई है, जो ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य द्वारा राम यंत्र स्तोत्र भी ट्रस्ट को सौंपा गया है।

इन पवित्र ग्रंथों को मंदिर परिसर में सुरक्षित रखा गया है और गर्भगृह में स्थापित किए जाने की योजना पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए एक विशेष चयन समिति गठित की जाएगी तथा ट्रस्ट शीघ्र ही सार्वजनिक विज्ञापन जारी करेगा।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908